भारत सरकार
Government of India

इस्पात मंत्रालय
का
आउटपुट-आउटकम मॉनिटरिंग फ्रेमवर्क

Output-Outcome Monitoring Framework
of
Ministry of Steel
2026-27

1. भारत में विशेष इस्पात के लिए उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (₹ करोड़ में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
380	1 प्रोत्साहन प्राप्त करने वाली पात्र कंपनियां	1.1. वित्त वर्ष में प्रोत्साहन प्राप्त करने वाली पात्र फर्मों की संख्या	25	1. विशेष इस्पात क्षेत्र में निवेश में वृद्धि	1.1. वित्त वर्ष में विशेष इस्पात में निवेश की गई राशि (भारतीय करोड़ रु. में)।	5500
	2 विशेष इस्पात के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना	2.1 वित्त वर्ष में अनुमोदित कंपनियों द्वारा विशेष इस्पात का उत्पादन (हजार टन में)	3213			
		2.2 वित्त वर्ष में निर्दिष्ट न्यूनतम सीमा से अधिक विशेष इस्पात के उत्पादन में % वृद्धि	#			
	3 विशेष इस्पात की बिक्री में सुधार	3.1. वित्त वर्ष में विशेष इस्पात की बिक्री में % वृद्धि	#	2. प्रत्यक्ष रोजगार सृजन में वृद्धि	2.1 वित्त वर्ष में अनुमोदित कंपनियों द्वारा व्यक्तियों (प्रत्यक्ष रोजगार) की संख्या।	2436

- वित्तीय वर्ष 2026-27 में न्यूनतम सीमा से अधिक उत्पादन वृद्धि और विशेष इस्पात की बिक्री में वृद्धि का निर्धारण इस स्तर पर नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा, प्रोत्साहन केवल निर्धारित उत्पादन तक ही सीमित हैं।

1. Production-linked Incentive (PLI) Scheme for Specialty Steel in India (CS)

FINANCIAL OUTLAY (₹ in crore)	**OUTPUTS 2026-27**			**OUTCOMES 2026-27**		
2026-27	**Output**	**Indicators**	**Target 2026-27**	**Outcome**	**Indicators**	**Target 2026-27**
380	1. Eligible companies receiving incentives	1.1. No. of eligible firms that received the incentives in the financial year	25	1. Increased investment in specialty steel sector	1.1. Amount (in INR Cr) invested in specialty steel in in the financial year.	5500
	2. Encouraging domestic production of specialty steel	2.1. Production of specialty steel by approved companies in (thousand tonnes) in the financial year	3213			
		2.2. % increase in production of specialty steel over and above the specified minimum threshold in the financial year	#			
	3. Improvement in sales of specialty steel	3.1. % increase in sales of specialty steel in the financial year	#	2. Increase in direct employment generated	2.1. Number of people (direct employment) by the approved companies in the financial year.	2436

- Increase in production over and above the minimum threshold and increase in sales of specialty steel in the FY 2026-27 cannot be determined at this stage. Further, incentives are limited to the committed production only.

2. लौह एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास का संवर्धन (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (₹ करोड़ मे)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
6	1. लौह एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) से संबंधित चलाई गई परियोजनाएं	1.1 वित्त वर्ष में अनुमोदित की जाने वाली अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की संख्या	10	1. लौह एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से नवीन और ऊर्जा दक्ष प्रौद्योगिकियों का विकास	1.1 इस योजना के अंतर्गत वित्तपोषित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के माध्यम से प्रदान किए गए पेटेंटों की संख्या	1
		1.2 वित्त वर्ष में पूरी की गयी अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की संख्या	5		1.2 योजना के अंतर्गत वित्तपोषित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के माध्यम से आवेदित पेटेंटों की संख्या	1
					1.3 लौह एवं इस्पात क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से विकसित नई प्रणालियों की संख्या	2
					1.4 लौह एवं इस्पात उद्योग द्वारा वाणिज्यिकृत/अपनाई गई परियोजनाओं की संख्या	1

2. Promotion of Research & Development in Iron & Steel Sector (CS)

FINANCIAL OUTLAY (₹ in crore)	**OUTPUTS 2026-27**			**OUTCOMES 2026-27**		
2026-27	**Output**	**Indicators**	**Target 2026-27**	**Outcome**	**Indicators**	**Target 2026-27**
6	1. Research & Development (R&D) projects pursued in the Iron & Steel sector	1.1. Number of R&D projects to be approved in the financial year	10	1. Development of innovative and energy efficient technologies through R&D in the Iron & Steel sector	1.1. Number of patents awarded through the R&D projects funded under the scheme	1
		1.2. Number of R&D projects to be completed in the financial year	5		1.2. Number of patents applied for through the R&D projects funded under the scheme	1
					1.3. Number of new processes developed through R&D in the Iron & Steel sector	2
					1.4. Number of projects commercialized/ adopted by the Iron & Steel industry	1

3. इस्पात मंत्रालय के तहत सीपीएसई द्वारा भारत में मर्चेंट पोतों की फ्लैगिंग के लिए संवर्धन योजना (सीएस)

वित्तीय परिव्यय (₹ करोड़ में)	निर्गम 2026-27			परिणाम 2026-27		
2026-27	निर्गम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27	परिणाम	संकेतक	लक्ष्य 2026-27
7	1. सब्सिडी के प्रावधान के माध्यम से सरकारी कार्गो के आयात में भारतीय वाणिज्यिक पोतों का सवंर्धन	1.1. वित्त वर्ष में भारत में फ्लैग्ड वाणिज्यिक पोतों की संख्या।	18	1. भारत में वाणिज्यिक पोतों की फ्लैगिंग में वृद्धि	1.1. फ्लैग्ड पोतों की संख्या की प्रतिशत में वृद्धि	#
		1.2. वाणिज्यिक पोतों की फ्लैगिंग के लिए वित्त वर्ष में दी जाने वाली सब्सिडी की राशि (भारतीय करोड़ रु. में)	7	2. विदेशी पोत-परिवहन-कंपनियों को किए जाने वाले विदेशी मुद्रा विनिमय खर्च में कमी	2.1. वित्त वर्ष में व्यय विदेशी मुद्रा विनिमय पर व्यय में प्रतिशत कमी।	*

#- वर्ष 2025-26 में, भारत में 18 जहाजों के पंजीकृत होने की उम्मीद है। वर्ष 2026-27 के लिए भी यही लक्ष्य है: 18 जहाज। तदनुसार, पंजीकृत जहाजों की संख्या में अपेक्षित प्रतिशत वृद्धि शून्य है।

* वित्त वर्ष 2026-27 में विदेशी मुद्रा व्यय में ₹7 करोड़ की कमी होने की उम्मीद है। प्रतिशत का निर्धारण नहीं किया जा सकता।

3. Scheme for Promotion of Flagging of Merchant Ships in India by CPSEs under Ministry of Steel (CS)

FINANCIAL OUTLAY (₹ in crore)	OUTPUTS 2026-27			OUTCOMES 2026-27		
2026-27	**Output**	**Indicators**	**Target 2026-27**	**Outcome**	**Indicators**	**Target 2026-27**
7	1. Promotion of Indian Merchant Ships in import of government cargo through provision of subsidy	1.1. No. of merchant ships flagged in India in the financial year.	18	1. Enhanced flagging of merchant ships in India	1.1. % increase in the number of flagged vessels	#
		1.2. Amount of subsidy to be granted in the financial year for flagging of merchant ships (in INR Cr.)	7	2. Reduced foreign exchange outgo to foreign shipping companies	2.1. % reduction in foreign exchange outgo in the financial year.	*

- In the year 2025–26, 18 ships are expected to be flagged in India. The target for the year 2026–27 is also 18 ships. Accordingly, the expected percentage increase in the number of flagged vessels is zero.

* Foreign exchange outgo is expected to decrease by ₹7 crore in the FY 2026-27. Percentage cannot be determined.

प्रबंधक, भारत सरकार मुद्रणालय, नई दिल्ली-110002 द्वारा मुद्रित।
PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI-110002.